Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 33–2024] CHANDIGARH, TUESDAY, AUGUST 13, 2024 (SRAVANA 22, 1946 SAKA)

PART-I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

विरासत तथा पर्यटन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 30 जुलाई, 2024

संख्या 12/250– किला इस्मालपुर/2024/पुरा/2745–2752.— चूंकि, हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों तथा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों का हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) के अधीन संरक्षण अपेक्षित है;

इसलिए, अब, हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव करते हैं।

इसके द्वारा, नोटिस दिया जाता है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से दो मास की अवधि की समाप्ति या उसके पश्चात् सरकार, ऐसे आक्षेपों या सुझावों, यदि कोई हो, के साथ जो प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार, विरासत तथा पर्यटन विभाग, चण्डीगढ़ द्वारा प्रस्ताव के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त किए जाए, पर विचार करेगी।

अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/शहर का नाम	तहसील/जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल–मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
किला इस्लामपुर 17वीं–18वीं शताब्दी पूर्व	किला इस्लामपुर 17वीं–18वीं शताब्दी पूर्व	इस्लामपुर	महेन्द्रगढ़	158/145 खतौनी–236 खेवट–28	8 कनाल – 15 मरला	हरियाणा सरकार	यह एक वर्गाकार किला है, जो दो गाँवों–इस्लामपुरा और सेरौली के बीच के खेतों में स्थित है। इस किले में केवल एक ही प्रवेश द्वार है। किले की ऊँची दीवारों के प्रत्येक कोने पर बुर्ज हैं। हर दीवार पर सीढ़ियाँ हैं जो ऊपर तक पहुँचने में सहायक हैं। किले के अंदर कमरों के अवशेष मिलते हैं।

कला रामचंद्रन,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
विरासत तथा पर्यटन विभाग।

HARYANA GOVERNMENT

HERITAGE AND TOURISM DEPARTMENT

Notification

The 30th July, 2024

No. 12/250-Fort of Islampura-2024/Pura/2745-2752.— Whereas the Governor of Haryana is of the opinion that archaeological sites and remains and ancient and historical monuments specified in column 1 of the Schedule given below requires protection under the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred under sub-section (1) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), the Governor of Haryana hereby proposes to declare the ancient and historical monuments specified in column 1 of the Schedule given below, to be protected archaeological sites and remains as specified in columns 2, 3, 4, 5, 6 and 7 of the said Schedule to be protected area.

Notice is hereby given that the proposal shall be taken into consideration by the Government on or after the expiry of a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette, together with objections or suggestions, if any, from any person with respect to the proposal which may be received by the Principal Secretary to Government, Haryana, Heritage and Tourism Department, Chandigarh before the expiry of the period so specified :-

SCHEDULE

Name of ancient and historical monuments	**Name of archaeological sites and remains**	**Name of village/ city**	**Name of tehsil / district.**	**Revenue Khasra/ Kila number under protection.**	**Area to be protected Kanal - Marla**	**Ownership**	**Remarks**
1	2	3	4	5	6	7	8
Fort of Islampura 17th - 18th Century CE,	Fort of Islampura 17th - 18th Century CE,	Islampura	Mahendergarh	158/145 Khatoni-236 Khasra-28	8-15	Haryana Department	This square shaped fort is situated in the fields between two villages – Islampura and Serolli. There is only one entrance to it. The fort has high walls, with bastions on each corner. Flight of stairs at each wall enables one in reaching the top. Inside the fort there are remains of rooms.

KALA RAMACHANDRAN,
Principal Secretary to Government, Haryana,
Heritage and Tourism Department.

11222—C.S.—H.G.P., Pkl.